प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 09 नवम्बर, 2017 को चिकत्सा विश्वविद्यालय के साइंटिफिक कंवेंशन सेंटर में ''लेक्चर ऑन ह्यूमन एक्सीलेंस'' विषय पर डॉ0 चिन्मय पाण्डेय, प्रति–कुलपति देव संस्कृत विश्वविद्यालय, शांति कुंज हरिद्वावार द्वारा एक व्यख्यान दिया गया। डॉ0 पाण्डेय ने कहा कि अगर अगर आप अपने समाजिक जीवन मे अध्यात्मिक जीवन में पतन की ओर जाना चाहेंगे तो आप को अनेको कारण, परिस्थितियां और कारक और लोग मिलेंगे। व्यक्ति जब समाज में सही रास्ते पर चलना चाहता है तो वह खुद को अपने संकल्पों को अकेला पाता है किन्तु हमे अपने संकल्प को दृढ़ करके अपने कर्तब्य पथ पर आगे की ओर बढ़ते रहना चाहिए। हमे अपने जीवन की किताब को इस तरह लिखना चाहिए की जब अंत समय में उसमें से कोई पैरा मिटाना न पड़े। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा कि दुनिया की सारी ताकते इंसान अपने अंदर लाया है वो कुछ भी कर सकता है। अतः हमे सद्मार्गो पर चलते रहना चाहिए। एक इंशान को अगर हम मदद कर सके तो भी बहुत होगा। इस बात का ज्ञान सबको होता है कि धर्म और अधर्म क्या है पॉप और पुण्य क्या है, बुरा और अच्छा क्या है किन्तु सही मार्ग पर चलने के लिए दृढ़ संकल्प की अवश्यकता होती है। आप सब अपने देवत्व को जाने स्वर्ग यही इसी धरती पर आ जायेगा। आप सबको मानव जीवन एक सार्थक सम्भावना को सार्थक करने के लिए मिला है इसे व्यर्थ न करें दुसरों की सहायता करने का अवसर न जाने दें। मानव ने जितना इस पृथ्वी का दोहन और नुकसान किया है उतना और किसी जीव ने नही किया हमने धरती के 50 प्रतिशत से ज्यादा जंगलो को नष्ट कर दिया हैा आने वाले 200 वर्षो मे सारे खनिज सारै फॉसिल्स खत्म होने के कगार पर है। मानवो की संख्या प्रत्येक दिन बढ़ रही है और रहने की जगह कम तथा पेड़ पौधे नष्ट हो रहे है। आज पर्यावरण एक चुनौती है जो कि आने समय में एक त्रासदी होगी। कोई भी विकास पर्यावरण की किमत पर नही होना चाहिए। आज के समय मे जीवन पृथक एवं एकाकी हो रहा है। व्यक्ति का धैर्य खत्म हो रहा है, पहले पत्र लिखो तो तीन सप्ताह में जवाब मिलता था अब मेसेज का जवाब तीन मिनट में नही आया तो रिस्ते खत्म हो जाते है। व्यक्ति प्रत्येक 18 सेकण्ड में अपना फोन खोजने लगता है। मनुष्य का अटेंशन लेबल खत्म हो रहा है तथा इसके साथ ही सम्बंध भी खत्म हो रहे है। एक सर्वे के मुताबिक लोगो का सबसे ज्यादा जुड़ाव और लगाव अपने स्मार्ट फोन से होता है माता पिता तो 6 वें नम्बर पर आते है। शिक्षा का स्तर तो बढ़ गया किन्तु कॉमन सेंस खत्म हो गया है। आज के समय में मेडिसिन ज्यादा एडवांश होती जा रही है किन्तु मानव का स्वास्थ, उसका स्टेमना लड़खड़ाने लगा है। व्यक्ति के पस धन बढ़ रहा है किन्तु मन की शांति खत्म हो रही है। अगर मन में शांति आ जाए तो समझे सब कुछ आ गया। जीवन में मानवता को उतारे । जीवन का उद्देश्य सही होना चाहिए नही जिस प्रकार घड़ी की सुई लगातार घुमति रहती है किन्तु कही भी नहीं जा पाती उसी स्थान पर रह जाती है ठिक उसी प्रकार उद्देश्य हीन व्यक्ति जीवन में तरक्की नही कर सकता है। सही मार्ग पर चलने के लिए परहित के लिए अपने संकल्प को दृढ़ बनाये। समाज के सारे व्यक्ति मिलकर जब तक समाज का उत्थान नही करेंगे तब तक कुछ नही हो सकता है।

कार्यक्रम मे चिकत्सा विश्वविद्याल के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने कहा कि चिकित्सक के जीवन मे सेवा के बहुत सारे अवसर प्राप्त होते है। डॉ0 चिन्मया पाण्डेय जी ने बहुत ही उत्प्रेरक विचार प्रस्तुत किए है। मा0 कुलपति जी ने शांती कुंज मे स्थापित नव ग्रह वाटिका के तौर पर केजीएमयू के प्रशासनिक भवन स्थित लॉन में भे शांति कुंज हरिद्वार के सहयोग से नवग्रह वाटिका का निर्माण कराने का घोषण की गई।

कार्यक्रम का अयोजन प्रो0 दिवाकर दलेला द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में प्रो0 एस0एन0शंखवार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो0 मधुमती गोयल, अधिष्ठाता नर्सिंग संकाय, प्रो0 शादाब मोहम्मद, अधिष्ठाता दंत संकाय, प्रो0 विनोद जैन, अधिष्ठाता पैरामेडिकल संकाय, प्रो0 अरून चतुर्वेदी, प्रो0 विजय कुमार, एम0एस0, प्रो0 संदीप तिवारी, प्रो0 हैदर अब्बास सहित सभी संकायो के संकाय सदस्य, सीनियर रेजिडेण्ट, शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रो0 नरसिंह वर्मा	प्रो0 विभा सिंह	डॉ0 सुधीर सिंह
संकाय प्रभारी, मीडियासेल	संकाय प्रभारी मीडिया सेल	सह–संकाय प्रभारी मीडिया सेल